नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय का 11 वां स्थापना दिवस एवं कृषक संगोष्ठी का समापन

जबलपुर आज दिनांक 03.11.2020 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के 11वें स्थापना दिवस का शुभारंभ मध्यप्रदेश की कुलाधिपति माननीय श्रीमति आनंदीबेन पटेल, राज्यपाल मध्यप्रदेश शासन, भोपाल की अभिप्रेरणा एवं विश्वविद्यालय के उर्जावान कुशल प्रशासक एवं यशस्वी कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी एवं डॉ. विनोद कुमार बाजपेयी, कुलसचिव, ना.दे.प.चि.वि.वि, जबलपुर के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम से हुआ।

मंचासीन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रदेश के पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव, कुशल कर्मठ एवं वरिष्ठ अधिकारी मा. श्री जे.एन.कंसोटिया जी, विश्वविद्यालय के शिक्षाविद्, प्रगतिशील सोच के धनी निष्ठावान मार्गदर्शक एवं समारोह के अध्यक्ष डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी, मा. कुलपति, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर, संस्थापक व पूर्व कुलपति, डॉ. जी.पी.मिश्रा, इंजी श्री प्रभात दुबे, ऑन लाईन माध्य से जुडे पूर्व कुलपति डॉ. ए.एस. नंदा एवं डॉ. पी.डी. जुयाल, पूर्व सेवानिवृत्त विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, प्राध्यापक,

कर्मचारी एवं यहाँ उपस्थित तथा ऑन लाइन कार्यक्रम से संबंद्ध सभी संचालक, अधिष्ठाता, प्राध्यापक, कृषक, पशुपालक, कर्मचारी, अधिकारी, छात्रों एवं मीडिया के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम का श्री गणेश हुआ।

कार्यक्रम में सर्व प्रथम मंचासीन अतिथियों का स्वागत, तत्पश्चात् विश्वविद्यालय के कुलसचिव महोदय द्वारा विश्वविद्यलय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर, गत वर्ष हुई एक–एक जानकारी से सभी को अवगत कराया। इसके बाद विश्वविद्यालय के कार्यव्रत का प्रदर्शन चलचित्र पटल पर किया गया।

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के 11वें स्थापना दिवस समारोह की प्रस्तावना के प्रस्तुतीकरण की जिम्मेदारी का निर्वाह कुलसचिव के द्वारा किये जाने की परंपरा का क्रियान्वयन इस मंच से करते हुये मैं, स्वयं को गौरान्वित महसूस कर रहा हूँ। जहाँ मैं विधार्थी था और यहाँ बैठे हुये अनेक मेरे साथी और शिक्षक भी उपस्थित हैं।

कार्यक्रम के मख्य अतिथि श्री जे. एन.कंसोटिया जी ने अपने ऑनलाइन उद्‌बोधनमें कहा कि नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर विगत एक दशक से प्रदेश के छात्रो, कृषकों एवं पशुपालकों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान हेतु शैक्षणिक अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों के माध्यम से उनके उत्थान में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन कर रहा है। भविष्य में भी यह विश्वविद्यालय पशुपालन से संबंधित विभिन्न आयामों के माध्यम से प्रदेश में पशुपालन के क्षेत्र में और अधिक चहुमुंखी विकास करेगा। इस अवसर पर आपने विश्वविद्यालय परिवार को विश्वविद्यालय के 11वें स्थापना दिवस शुभकामना संदेश के माध्यम से बधाई दी। इस वर्चुल संवाद का आयोजन डॉ. राजेश कुमार शर्मा, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता महोदय द्वारा मख्य अतिथि श्री जे.एन.कंसोटिया जी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इसके पश्चात् विशिष्ट अतिथि डॉ. जी.पी. मिश्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना से विगत 11 वर्षों के अतंराल में इस विश्वविद्यालय में भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख के स्वप्नों को विश्वविद्यालय

के विभिन्न पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालयों, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय एवं पांच विटनरी पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के माध्यम से शैक्षणिक एवं विस्तार गतिविधियों के अंतर्गत जो उत्कृष्ट कार्य किए गऐं है, वह अपने आप में सराहनीय है।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा संचानालय विस्तार शिक्षा एवं विश्वविद्यालय के विभागों द्वारा विकसित पशुपालन संबंधी साहित्य सामग्री का विमोचन किया गया। इसके कृषकों एव मत्स्य पालकों को नर्मदानिधि मुर्गी एवं मुर्गों तथा मत्स्य बीज एवं पशु आहार पैकेटों का निःशुल्क वितरण किया गया साथ ही फार्मर फर्स्ट परियोजना अंतर्गत कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले कृषको/पशुपालको को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। तदोपरांत कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी द्वारा अपने उद्‌बोधन में कहा गया कि भारत वर्ष 198 मिनियन टन उत्पादन करते हुए सर्वोच्च स्थान पर, अंडा एवं मांस उत्पादन में कुक्कुट विकास करते हुए विश्व में तृतीय स्थान पर है। इसी प्रकार प्रदेश में बकरी पालन एवं मत्स्य पालन में भी उत्तरोत्तर प्रगति पर है। वर्तमान में हमारा देश 4.1 प्रतिशत जी.डी.पी. की दर से वृद्धि करते हुए अग्रेसर है। जिसमें पशुधन का 26 प्रतिशत योगदान है। मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन में 14.45 मिलियन टन दुग्ध उत्पादन करते हुए देश में तृतीय स्थान पर हैं। जिसके फलस्वरूप प्रतिव्यक्ति दुग्ध की उपलब्धता 449 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रति दिन है। इस अवसर पर आपके उद्‌बोधित करते हुए कहा कि हमारे विश्वविद्यालय को कडकनाथ मुर्गी की नस्लों को विकसित करते हुए और अधिक विस्तार करना है, स्वसहायता के रूप में क्रियान्वित करना अधिक सार्थक होगा। पॉलीटेक्निक छात्रों को म.प्र. शासन द्वारा निर्मित गोशालाओं में सहभागिता करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग प्रदान करना होगा। इसी प्रकार केन्द्र सरकार द्वारा मैत्री योजना के तहत् विश्वविद्यालय के महाविद्यालय द्वारा प्रेशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त होगें।

उद्‌बोधन की श्रृखंला में आपने औषधि वाटिका के माध्यम से मानव एवं पशुओं के उपचार में कम कीमत की औषधि उपलब्ध हो सके। इस विश्वविद्यालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना हेतु प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति हेतु शासन को भेजे जा रहे है। उद्‌बोधन के अंत में आपने विश्वविद्यालय आत्मनिर्भर बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों में गतिशीलता लाने बल दिया। इस प्रकार विश्वविद्यालय की विस्तार गतिविधियों के माध्यम से वर्ष 2022 तक प्रदेश के कृषकों/पशुपालकों की आय में दोगुना वृद्धि करते हुए प्रदेश एवं देश को आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में बढ़ाने हेतु अपने दायित्वों का निर्वहन करेगें।

कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. आदित्य मिश्रा व डॉ. सोना दुबे, सहायक प्राध्यापक एवं आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता संकाय, डॉ. रमेश प्रताप सिंह द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी,
ना.दे.प.चि.वि.वि. आधारताल, जबलपुर